राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता
(National Group Song Competition)

''भारत विकास परिषद्'' जनमानस में देश-प्रेम की श्रेष्ठ भावना के जागरण के उद्देश्य से प्रतिवर्ष **राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता** का आयोजन करता है।

इस सम्बन्ध में आवश्यक विवरण व नियम निम्न प्रकार से हैं :-

प्रतियोगी कौन
(Eligibility to Compete)

- इस प्रतियोगिता में कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थी भाग ले सकेंगे।
- प्रतियोगिता में संगीत विद्यालयों को प्रवेश नहीं मिलेगा।

प्रतियोगिता का स्वरूप एवं नियम
(Mode of Competition & Rules)

प्रांतीय स्तर तक ''चेतना के स्वर'' पुस्तिका से चुने हिन्दी गीतों की प्रतियोगिता होगी। राष्ट्रीय स्तर पर यह प्रतियोगिता हिन्दी गीतों के अतिरिक्त प्रादेशिक भाषा में भी (देशभक्ति से ओत-प्रोत गीतों की) आयोजित होगी।

हिन्दी भाषा गीत प्रतियोगिता

1. हिन्दी के कुछ श्रेष्ठ चुने हुए गीतों को समाज में लोकप्रिय बनाने की दृष्टि से परिषद् द्वारा **''चेतना के स्वर''** पुस्तिका बनाई गई है। हिन्दी भाषा गीत प्रतियोगिता में इसी पुस्तिका से चयनित गीत हिन्दी भाषा में ही प्रस्तुत करना अनिवार्य है।
2. चेतना के स्वर से लिया गया सम्पूर्ण गीत, बिना किसी अंश को **छोड़े या जोड़े**, निश्चित समय में प्रस्तुत करना अनिवार्य है।
3. गीत के प्रस्तुतीकरण के समय गीत के भावानुसार **अपने स्थान पर ही रहकर** शरीर के हाव-भाव प्रदर्शन की अनुमति है। स्थान बदलने की अनुमति नहीं है।
4. भाग लेने वाली टीम, वादक व वाद्य यंत्र अपने साथ लायेंगी। वाद्य यंत्र एवं वादकों में से प्रत्येक की अधिकतम संख्या **तीन** होगी। **कोई भी विद्युत या बैटरी चालित यंत्र प्रयोग में नहीं लाया जा सकेगा।** इन वाद्य यंत्रों के प्रयोग हेतु वादकों की संख्या, गीत गाने वाले विद्यार्थियों से अलग होगी।

5. एक टीम में गायकों की संख्या **6 से 8** (छात्र/छात्राएँ या दोनों) होगी।

6. प्रत्येक टीम को प्रतियोगिता में अपने समूहगान प्रदर्शन के लिए अधितकतम समय **सात मिनट** का मिलेगा। इसकी गणना गीत या संगीत जो भी पहले आरम्भ होगा, उससे की जाएगी। इस अवधि से अधिक समय लेने पर टीम द्वारा प्राप्त अंकों के योग में से **5** अंक काट लिए जाएँगे।

7. अधिकतम प्राप्तांक संख्या 100 होगी। ये अंक निम्न रूप से **20-20 के अंशों** में बाँटे जायेंगे **: संगीत संयोजना, स्वर, ताल, उच्चारण एवं प्रस्तुतीकरण।**

8. वे स्वर रचनाएँ अधिक अच्छी समझी जायेंगी जो शास्त्रीय (हिन्दुस्तानी या कर्नाटक) संगीत से प्रेरित या लोकगीतों अथवा प्रादेशिक धुनों पर आधारित होंगी।

9. प्रतियोगिता में भाग लेते समय प्रत्येक टोली को किसी भी प्रकार की वेश-भूषा पहनने की अनुमति है, परन्तु विद्यालय का बैज/बैल्ट, संकेत चिह्न आदि का प्रयोग करना वर्जित है।

10. गीत प्रस्तुतीकरण से पूर्व किसी भी प्रकार की भूमिका की अनुमति नहीं है।

11. प्रस्तुतीकरण के समय टीम द्वारा अपने विद्यालय का नाम बताना वर्जित होगा।

12. निर्णायक मण्डल में अनुभवी संगीतज्ञ, कला विशेषज्ञ व भाषा विद्वान होंगे। परिषद् द्वारा घोषित माननीय निर्णायकों का निर्णय अन्तिम व सर्वमान्य होगा।

13. संयोजन समिति को राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता से सम्बन्धित किसी भी विषय में निर्णय लेने का पूर्ण अधिकार होगा।

कुछ अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु :

★ राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में **ध्वनिवर्धक यंत्र Mikes** का प्रयोग किया जा सकता है, परन्तु ये यंत्र स्टैण्ड पर रखने के बजाय मंच पर लटके हुए (Hanging Mike) होने चाहिए। वादकों को अलग से ध्वनिवर्धक यंत्र **(Mike)** नहीं दिये जायेंगे।

★ प्रतियोगिता के कुछ समय पूर्व टीम के प्रमुखों (Leaders) को एक विशेष बैठक में बुलाया जाएगा, जिसमें आयोजन समिति के संयोजक द्वारा सभी के सामने गीत प्रस्तुतिकरण के क्रम आदि का निर्णय ड्रॉ द्वारा किया जाएगा। संयोजक का निर्णय अंतिम और सभी के लिए मान्य होगा।

★ शाखा स्तर पर प्रथम आने वाली टीम ही प्रांतीय स्तर पर व प्रांत स्तर पर प्रथम आनेवाली टीम ही अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता में भाग ले सकेंगी। यदि किसी कारणवश प्रथम स्थान पाने वाली टीम भाग नहीं ले पाती तो द्वितीय स्थान पाने वाली टीम भाग ले सकेगी। परंतु इसकी सूचना राष्ट्रीय मंत्री के पास पहले ही पहुँच जानी चाहिए।

★ प्रत्येक टीम के साथ उसी विद्यालय के एक शिक्षक का आना अनिवार्य है।

★ सभी टीमों के लिए पुरस्कार-वितरण समारोह में उपस्थित रहना अनिवार्य है।

★ प्रस्तुति के समय टीम के सदस्यों को मंच पर जूते पहनकर जाने की अनुमति नहीं होगी।

राष्ट्रीय स्तर पर होनेवाली प्रादेशिक (क्षेत्रीय) भाषा गीत प्रतियोगिता के नियम :

1. राष्ट्रीय स्तर पर ''प्रादेशिक भाषा गीत प्रतियोगिता'' ऐच्छिक है परंतु ''चेतना के स्वर'' के हिन्दी गीतों की प्रतियोगिता में भाग लेना अनिवार्य होगा।
2. राष्ट्रीय स्तर पर प्रादेशिक भाषा गीत प्रतियोगिता में, प्रांत के ''चेतना के स्वर'' के हिन्दी गीतों की प्रतियोगिता में प्रथम आयी हुई टीम ही भाग ले सकेगी।
3. प्रादेशिक भाषा के राष्ट्रीय गीत का चयन टोली स्वयं करेगी। जिस गीत का चयन करेंगे, वह देशभक्ति भाव का गीत होना चाहिए। प्रादेशिक रीति रिवाज, शादी आदि के भाषा गीत मान्य नहीं होंगे। चयनित गीत का हिन्दी या अंग्रेजी अनुवाद प्रतियोगिता से पूर्व (ड्रॉ के समय) अनुमति देने हेतु जमा करना अनिवार्य होगा।
4. प्रादेशिक भाषा गीत प्रतियोगिता में प्रस्तुतिकरण के समय हाव-भाव दर्शाने की स्वतंत्रता है परंतु स्थान बदलने की अनुमति नहीं है।
5. इस प्रतियोगिता के नियम व पुरस्कार राष्ट्रीय समूहगान (चेतना के स्वर) प्रतियोगिता के अनुसार ही होंगे।
6. इस प्रतियोगिता में उसी टीम के प्रतियोगी भाग ले सकेंगे जो कि राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं।

पुरस्कार व सम्मान

प्रतियोगिता की विजेता टीमों के लिए अलग-अलग प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं प्रोत्साहन पुरस्कार होंगे। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रत्येक प्रतियोगी को भी प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाएगा।

आवश्यक सूचना

प्रतियोगिता में भाग लेने वाली टीम को आने-जाने का किराया व सम्बन्धित व्यय स्वयं वहन करना होगा।

'चेतना के स्वर' पुस्तक

यह पुस्तक राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता में गाए जाने वाले गीतों की राष्ट्रीय स्तर पर तैयार की गई पुस्तक है। सभी शाखायें, विद्यालयों में भेजे जाने वाले परिपत्र के साथ, अपनी जरूरत के अनुसार प्रांत संयोजक के पास पुस्तक का तय किया हुआ शुल्क भेजकर समय पर इसे मंगवा लें जिससे भाग लेने वाले विद्यालय को समय पर भेजकर उनको तैयारी के लिए समय दिया जा सके। शाखा स्तर पर प्रतियोगिता में भाग लेने वाली टोली के प्रत्येक छात्र/छात्रा/वादक को 'चेतना के स्वर' पुस्तक अवश्य दें जिससे कि इस कार्यक्रम के उद्देश्य की पूर्ण रूप से पूर्ति हो सके।

कार्यक्रम से पूर्व तैयारी

कार्यक्रम निश्चित करें

कार्यक्रम की तारीख, समय व स्थान निश्चित करें और उससे सम्बन्धित सभी व्यवस्थाएँ पहले से कर लें जैसे कि म्यूनिसिपल या किसी संस्था के हॉल की बुकिंग करवाना आदि। प्रतिभागियों का आवास एवं कार्यक्रम स्थल एक ही परिसर (Campus) में/पास-पास हो, इसका प्रयास करना चाहिए ताकि आवागमन में अनावश्यक समय व्यर्थ न हो।

विद्यालय को पत्र

इस पुस्तक में दिये गये नमूने के अनुसार पत्रक विद्यालय को ''चेतना के स्वर'' पुस्तक सहित भेजें। हो सके तो सभी विद्यालयों के जिम्मेदार अधिकारी, संचालक, प्रिन्सिपल को व्यक्तिगत रूप से भेंट करके दें।

कार्यक्रम के लिए अतिथि, निर्णायकों आदि की नियुक्ति

कार्यकारिणी की बैठक में चर्चा करके इस कार्यक्रम के अनुरूप अतिथियों का चयन करें। इस कार्यक्रम हेतु अनुभवी निर्णायकों के बारे में पहले से सोचकर तय कर लेना चाहिए। निर्णायकों को स्पर्धा की नियमावली और पुस्तक

पहले से दे दें जिससे कि निर्णायक प्रतियोगिता से सम्बन्धित नियमों को ध्यान में रखकर उत्तम निर्णय कर सकें। प्रतियोगिता में उपस्थित अतिथियों एवं गणमान्य बन्धुओं को भी 'चेतना के स्वर' पुस्तक अवश्य दें।

निमंत्रण पत्र :

शाखा परिवार के सदस्यों, अतिथियों व विद्यालयों के लिए आमंत्रण पत्र की प्रिंटिंग समय पर करा लें। जिन-जिन विद्यालयों को पत्र गया है उन सभी को कार्यक्रम का आमंत्रण पत्र अवश्य ही भेजें। प्रांत की सभी शाखाओं और प्रांत के प्रतिनिधियों को भी आमंत्रण पत्र भेजना चाहिए।

कार्यक्रम की रूपरेखा और आयोजन

कार्य का विभाजन

अधिक से अधिक शाखा सदस्य इस कार्य में सहयोगी बन सकें अत: इस कार्य हेतु अधिक से अधिक सदस्यों को काम की जिम्मेदारी देनी चाहिए। विभागों के अनुसार कार्य का विभाजन होना चाहिए। कुछ कार्यों का उल्लेख यहाँ नीचे किया जा रहा है :-

प्रतियोगी टीमों का पंजीकरण (Registration) :—

प्रतियोगिता में भाग लेने वाली सभी टोली जैसे ही कार्यक्रम के स्थान पर उपस्थित हों तो सबसे पहले उनके पंजीकरण की व्यवस्था होनी चाहिए। स्वागत कक्ष के पास ही रजिस्ट्रेशन काउण्टर बनाना चाहिये और किसी जिम्मेदार पुरूष/महिला को वहाँ नियुक्त करना चाहिए। प्रतिभागियों के बैज (**Chest Card**) पर उनके नाम मोटे अक्षरों में लिखे होने चाहिए।

टीमों के प्रस्तुतीकरण क्रम हेतु ड्रॉ

ड्रॉ के लिए दो छोटे सजे हुए थालों/घड़ों, दो टेबल और लगभग 10 कुर्सियों की व्यवस्था होनी चाहिए। **ड्रॉ** के समय सभी टीम के प्रमुख उपस्थित रहें इसकी सूचना पहले ही देनी चाहिए।

कार्यक्रम स्थल की व्यवस्था

कार्यक्रम स्थल की व्यवस्था बहुत ही महत्वपूर्ण है जिसमें बैठने की व्यवस्था, स्वागत जैसी बातों का समावेश होता है। कुर्सियों की सफाई, स्थान की सफाई भी बहुत महत्वपूर्ण रहती है। कार्यक्रम स्थल में आमंत्रित अतिथिगण, शाखा के सदस्यों, प्रतिभागी टोली, निर्णायक, प्रेस रिपोर्टर आदि की सुव्यवस्थित बैठने की सुविधा हो। बोर्ड या तख्तियों के द्वारा बैठने के तय स्थान इंगित भी किये जा सकते हैं। पत्रकारों, निर्णायकों, एवं अतिथियों के लिए कुछ स्थान रिजर्व में रखे जा सकते हैं।

स्वागत

मंच पर कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह और समापन समारोह के समय उपस्थित महानुभावों के स्वागत की व्यवस्था की जिम्मेदारी जिन कार्यकर्ताओं को दी गई हो उन्हें पहले से बता दें कि-वे मंच के पास ही उपस्थित रहें। महानुभावों के स्वागत हेतु जिसका नाम नोट किया हो वह व्यक्ति यदि किसी कारण से उपस्थित न हो सके, तो पहले से ही ज्यादा नाम लिखकर रखें और सभी कार्यकर्ता उपस्थित रहें ऐसी सूचना दें।

मंच व्यवस्था व सुशोभन

मंच पर काम आने वाले सामान की सूची पहले से बना लें और मंच सुशोभन का दायित्व जिस कार्यकर्ता को दिया है वह ध्यान रखें कि कार्यक्रम शुरू होने से एक घंटा पहले मंच तैयार हो जाए। बैनर आदि लग जाएँ और दीप प्रज्ज्वलन आदि की सामग्री भी पहले ही तैयार रखे हो। दीप की बाती पर कपूर का प्रयोग करने से दीप प्रज्जवलन आसानी से होता है। मंच पर की गई योजना के अनुसार सुशोभन करें। माईक आदि चैक कर लें। माईक की ऊँचाई प्रतिभागियों के अनुसार ठीक हो एवं माईक की आवाज हॉल में पीछे तक सुनाई देती हो, यह अवश्य सुनिश्चित कर लेना चाहिए। मंच पर अपेक्षित महानुभावों की सूची बनाकर उसके अनुसार ही कुर्सी और टेबल की व्यवस्था करें। हो सके तो मंच के ऊपर अतिथियों के नाम की तख्ती लगाकर स्थान तय कर सकते है। मंच पर जरूरी सामान जैसे कि मेहमानों के लिए पानी, पानी का ग्लास, प्लेट आदि की व्यवस्था के लिए सदस्यों को ही जिम्मेदारी देनी चाहिए। मंच की ओर लगी focus lights वहाँ बैठे अतिथियों की आँखों में न चुभें इसका पूरा-पूरा ध्यान रखना चाहिए। मंच पर ये सभी व्यवस्थाएँ कार्यक्रम प्रारंभ होने से एक घंटा पूर्व पूर्ण हो जानी चाहिए। इन सभी व्यवस्थाओं में महिलाओं की सहभागिता बढ़े, इसका ध्यान करना चाहिए।

निर्णायकों की व्यवस्था

निर्णायकों के बैठने की व्यवस्था अन्य लोगों से थोड़ी दूरी पर करें। निर्णायकों की आपस की दूरी भी बनी रहे यह ध्यान रखना चाहिए। निर्णायकों के लिए प्रतियोगिता संबंधी आवश्यक वस्तुओं के साथ पानी, ग्लास की व्यवस्था तथा समय-समय पर उनकी चिंता करते रहना चाहिए।

मंच व प्रतियोगिता का संचालन :

इस कार्यक्रम में उद्घाटन, प्रतियोगिता का संचालन और समापन कार्यक्रम का संचालन अलग भागों में हो सकता है। उद्घाटन, समापन व प्रतियोगिता के संचालन हेतु जिम्मेदारी अलग-अलग दो कार्यकर्ताओं को दे देनी चाहिए। इसके

लिए जरूरी सामान कार्यकर्ताओं के पास उपलब्ध होना चाहिए जैसे कि मंच पर बैठने वाले महानुभावों का परिचय, प्रतिभागी टीमों की संख्या और सम्पूर्ण कार्यक्रम की जानकारी आदि।

फोटो और वीडियोग्राफी

निर्धारित की हुई योजना के अनुसार फोटो या वीडियोग्राफी का आयोजन हो। इसके लिए जिम्मेदारी एक कार्यकर्ता को दें। कार्यक्रम शुरू होने से पहले जिम्मेदार कार्यकर्ता फोटोग्राफर, वीडियोग्राफर उपस्थित है या नहीं यह सुनिश्चित कर लें। फोटोग्राफर/वीडियोग्राफर, कार्यक्रम प्रस्तुत करने वालों तथा श्रोता के बीच दीवार न बने इसका विशेष ध्यान कार्यकर्ता को रखना चाहिए।

अल्पाहार और जलपान व्यवस्था

इस कार्यक्रम में उपस्थित परिवार के सभी आमंत्रित बंधुओं के लिए पानी की व्यवस्था और प्रतियोगिता में भाग ले रहे प्रतियोगियों के लिए अल्पाहार आदि की व्यवस्था योजना पहले से बना लेनी चाहिए, और आवश्यकता अनुसार कार्यकर्ताओं को व्यवस्था की जिम्मेदारी दें। **अल्पाहार, जलपान के स्थान पर एक सफाई कर्मचारी की नियुक्ति वहाँ बिखरे हुए कागजों, पत्तलों इत्यादि वस्तुओं को उठाने हेतु अवश्य करनी चाहिए ताकि वह स्थान हमेशा साफ-सुथरा रहे।**

सुरक्षा एवं पार्किंग

कार्यक्रम के स्थान पर आमंत्रितों के वाहनों की पार्किंग हेतु यदि आवश्यक हो तो विचार विमर्श करके अपने कार्यकर्ताओं या सिक्यूरिटी स्टाफ की व्यवस्था करनी चाहिए। ऑडिटोरियम के प्रवेश द्वार और आसपास, जरूरत के अनुसार सिक्यूरिटी स्टॉफ की व्यवस्था करनी चाहिए।

पुरस्कार एवं स्मृति चिह्न

प्रतियोगिता के विजेताओं के लिए पुरस्कार आदि तथा उपस्थित अतिथियों के लिए स्मृति चिन्ह आदि पहले से निश्चित करके रखें। यह सभी समान कार्यक्रम स्थल पर रहे। कार्यक्रम शुरू होने से पहले ही इसकी तैयारी कर लेनी चाहिए।

प्रचार-प्रसार

अपने इस महत्वपूर्ण प्रकल्प के आयोजन की जानकारी समाज को भी हो, उसके लिए प्रचार प्रसार व्यवस्था का बहुत महत्व है। इसलिए कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी देनी चाहिए। अत: स्थानीय पत्रकारों से सम्पर्क करना चाहिए, प्रेस कान्फ्रेंस भी कर सकते हैं। पत्रकारों को आमंत्रण पत्रिका भी भेजनी चाहिये।

कार्यक्रम पूर्ण होने पर समाचार संस्थाओं को प्रेस विज्ञप्ति और फोटो भेजने की व्यवस्था करनी चाहिए। कार्यक्रम में टोली के फोटो उपलब्ध हों ऐसी यदि व्यवस्था हो सकती है तो अवश्य करनी चाहिए। अन्यथा यदि किसी छात्र/छात्रा को फोटो चाहिए तो उसका उचित मूल्य लेकर उसके स्थान पर भिजवानी या उसी समय देनी चाहिए। विद्यालय को उनकी टोली की फोटो तथा अतिथियों को भी उनकी फोटो एवं 'चेतना के स्वर' पुस्तिका (यदि पहले नहीं दी हो तो) धन्यवाद पत्र के साथ अवश्य भेजनी चाहिए।

पर्यवेक्षक

- प्रतियोगिता के समय सभी व्यवस्थाएँ सुचारु रूप से चलें, अतः पर्यवेक्षक, केंद्र या प्रांत के प्रतिनिधि रहेंगे।

पर्यवेक्षक कौन हों

- शाखा स्तर के कार्यक्रम में प्रांत संयोजक, प्रांत अध्यक्ष/प्रांत महासचिव से सलाह करके अपने प्रांतीय कार्यकारिणी में से किसी को नियुक्त करें।
- इसी प्रकार प्रांतीय कार्यक्रम में क्षेत्रीय संस्कार प्रमुख, अपने क्षेत्रीय मंत्री से विचार विमर्श करके अपने क्षेत्र में पड़ने वाले किसी अखिल भारतीय अधिकारी या अपने किसी क्षेत्रीय अधिकारी की नियुक्ति करें या स्वयं जाएँ।

पर्यवेक्षक की भूमिका

- सम्पूर्ण कार्यक्रम की एक रिपोर्ट तैयार करना तथा केंद्रीय एवं क्षेत्रीय कार्यालय/ प्रतियोगिता के राष्ट्रीय मंत्री को भेजना।
- प्रतियोगिता पूर्णतः सुचारु रूप से चले इसके लिए मार्गदर्शिका में कुछ महत्वपूर्ण बिन्दु दिए गए हैं। उनका क्रियान्वयन ठीक प्रकार हो इसके लिए सभी व्यवस्था प्रमुखों से तालमेल करना एवं व्यवस्था में कोई कमी दिखाई तो उसे ठीक करवाना।
- प्रतियोगिता में प्रस्तुतीकरण के समय, टीम में गायकों, वादकों एवं वाद्यों की संख्या नियमानुसार है या नहीं इसकी रिपोर्ट बनाना ताकि निर्णायकों के निर्णय पत्र में भी ऐसी टीम का नाम न आए जो नियमानुसार प्रतियोगिता में प्रस्तुत न हुई हो।
- प्रतियोगिता में भाग ले रही टीम वास्तव में उसके पूर्व की प्रतियोगिता में विजेता रही है या नहीं इसको भी चेक करना।

- प्रतियोगिता से संबंधित अनेक नियम मार्गदर्शिका में दिए गए हैं। उनके अनुसार ही सम्पूर्ण प्रतियोगिता चले इसका विशेष ध्यान देना एवं कोई गलती होने पर तुरंत कार्यक्रम संयोजक को इसकी सूचना देना।
- प्रतियोगिता के लिए पर्यवेक्षक एवं निर्णायक की भूमिका अलग-अलग है। पर्यवेक्षक कार्यक्रम में केंद्र/प्रांत के प्रतिनिधि के नाते उपस्थित रहते हैं।

आवश्यक सामग्री की सूची

- भारतमाता एवं स्वामी विवेकानंद का चित्र, दीपक, घी, ज्योति, माचिस, मोमबत्ती, फूलों का हार, धूपबत्ती, कपूर आदि। (चित्रों पर पहले से ही माला लगी होनी चाहिए)
- टेबल कुर्सी, माईक, बैनर, स्टेज सुशोभन के लिए फूलों के हार, फूलदानी और मंच के लिए ग्लास, प्लेट आदि।
- पुरस्कार, ट्रॉफी, स्मृत्ति चिन्ह, भेंट करने हेतु सजी हुई थाली सहित तैयार किये कवर, प्रमाण पत्र और सम्मान के लिए तिलक/चंदन, चावल आदि।
- अतिथियों हेतु चाय, पानी, अल्पाहार आदि की व्यवस्था है तो यह सामान मंगवाकर समय पर इसकी उपलब्धि सुनिश्चित करें।
- मंच सुशोभन के आयोजन हेतु रंगोली, फूल, पर्दे, बैनर, फोटो आदि सामान की व्यवस्था।
- निर्णायकों हेतु बनाया हुआ अंक पत्रक, लिखने के लिए पैड, पेन, कोरा कागज, घड़ी ''चेतना के स्वर'' पुस्तक आदि सामग्री तैयार रखें।

जरूरी फॉर्म, नमूना और सूची

उपरोक्त विषयों के अनुसार सभी विभागों को लेकर कुछ फार्म के नमूनों और सूची जो अपने अनुसार फेरबदल करके काम में ली जा सकती है :

- कार्यक्रम की रूपरेखा का नमूना।
- प्रतियोगी टोलियों के पंजीकरण का चार्ट।
- विद्यालय के लिए प्रवेश पत्र का नमूना।
- प्रतियोगी टोली हेतु प्रवेश फॉर्म का नमूना।
- प्रतियोगी टोलियों के लिए ड्रॉ स्लिप का नमूना – Form No. 1
- भाग लेने वाले प्रतियोगियों की शीट का नमूना – Form No. 2
- निर्णायक शीट का नमूना – Form No. 3
- निर्णय शीट का नमूना – Form No. 4
- विजेता प्रतियोगी शीट का नमूना – Form No. 5
- विजेता शीट का नमूना – Form No. 6
- शाखा द्वारा प्रांत संयोजक को परिणाम भेजने वाले पत्र का नमूना।
- प्रांत द्वारा राष्ट्रीय मंत्री को परिणाम भेजने वाले पत्र का नमूना।
- शाखास्तरीय प्रमाण पत्र व प्रांतस्तरीय प्रमाण पत्र का नमूना।

भारत विकास परिषद् .... शाखा
राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता सन् ......

मुख्य अध्यापक/प्राचार्य दिनाँक......................
....
....

विषय : **राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता।**

श्रीमान जी,

नमस्कार। भारत विकास परिषद् संपूर्ण भारत में समाज सेवा एवं भारतीय संस्कृति के उत्थान में संलग्न है। इसके अंतर्गत छात्र/छात्राओं और युवाओं में देशभक्ति की भावना जागृत करने के लिए यह प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय स्तर पर ''राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता'' का आयोजन करती है। इस प्रतियोगिता में प्रत्येक वर्ष लगभग 4 लाख से अधिक बच्चे भाग लेते हैं। यह प्रतियोगिता शाखा स्तर, प्रांत स्तर व अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित की जाती है। परिषद् की .... शाखा अपने पिछले वर्षों की समूहगान प्रतियोगिता की सफलता से प्रोत्साहित होकर इस वर्ष भी .... के विद्यालयों के छात्र/छात्राओं के लिए इस प्रतियोगिता का आयोजन दिनाँक .... दिन .... को कर रही है। जिसमें प्रथम आने वाली टोली को प्रांत स्तर पर .... में आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में भेजा जाएगा। इसलिए आपसे विनम्र निवेदन है कि आप अपने विद्यालय की टोली को इसमें भाग दिलाकर छात्र/छात्राओं में देशभक्ति की भावना को बढ़ाएँ। नियमावली व प्रवेश पत्र, पुस्तक में संलग्न है। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रवेश पत्र भरकर दिनाँक .... तक भेजने की कृपा करें।

भवदीय

1. हिन्दी भाषा में दी गई प्रतियोगिता नियमावली मान्य होगी।
2. प्रतियोगिता में केवल मंच पर लटके (हैगिंग) माइक का प्रयोग किया जाएगा तथा वादकों को अलग से कोई माइक नहीं दिया जाएगा।

(विद्यालय के लिए प्रवेश पत्र का नमूना)

भारत विकास परिषद् .... शाखा
राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता सन् ....

स्थान :......................... दिनाँक : ....

कार्यक्रम की रूपरेखा

प्रथम सत्र : उद्‌घाटन सत्र

- मंच आमंत्रण
  राष्ट्रीय गीत (वंदेमातरम्)
- दीप प्रज्वलन
- स्वागत एवं परिचय
- परिषद् व राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता-परिचय/प्रस्तावना

द्वितीय सत्र : प्रतियोगिता प्रारंभ **समय : ....**

तृतीय सत्र : पुरस्कार वितरण **समय : ....**

- मुख्य/विशेष अतिथियों/अन्य का उद्‌बोधन
- कार्यक्रम अध्यक्ष का मार्गदर्शन
- स्मृति चिह्न भेंट-निर्णायक सहित
- आभार प्रदर्शन/धन्यवाद
- प्रतियोगिता का निर्णय व पुरस्कार वितरण दोनों साथ साथ
- राष्ट्रगान (जन गण मन)

भारत विकास परिषद् .... शाखा
राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता सन् ....

पंजीकरण प्रपत्र

शाखा/प्रांत हेतु

क्रम संख्या	विद्यालय का नाम	छात्र	छात्राएं	वादक	कुल	अभिमत
1						
2						
3						
4						
5						
6						
7						
8						
9						
10						

(प्रतियोगी टोलियों के रजिस्ट्रेशन का चार्ट)

भारत विकास परिषद् .... शाखा
राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता सन् ....

प्रतिभागी टोली हेतु प्रवेश पत्र

विद्यालय का नाम : ....

पत्राचार का पूरा पता : ....

....

दूरभाष (यदि हो) : ....

प्रान्त का नाम : ....

ग्रुप लीडर का नाम ....

भाग लेने वाले प्रतियोगियों की संख्या–

छात्र................. छात्राएँ................. वादक................. = कुल संख्या.................

''चेतना के स्वर'' पुस्तक में से लिए हुए गीत का क्रमांक..................................

गीत के बोल..

मैं प्रमाणित करता हूँ कि उपरोक्त सभी सूचनाएँ सत्य है। हमने प्रतियोगिता के विवरण और नियम पूरी तरह से पढ़ लिए हैं और हम उस पर स्थिर रहेंगे। अपनी टोली का ग्रुप लीडर, ग्रुप के अनुशासन हेतु सम्पूर्ण रूप से जिम्मेदार है।

टिप्पणी :
- प्रवेश-पत्र परिषद् के प्रांत अध्यक्ष/महासचिव/समूहगान संयोजक के माध्यम से ही स्वीकार किया जायेगा।
- यदि भारत विकास परिषद् हमारे गीत व धुन का उपयोग करती है तो हमें कोई आपत्ति नहीं है तथा भविष्य में भी भारत विकास परिषद् द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए हमारा समूह तैयार रहेगा।
- यदि शाखा द्वारा प्रवेश शुल्क रखा गया है तो प्रवेश पत्र के साथ शुल्क भी भेजें।

(प्रतियोगी टोली हेतु प्रवेश फॉर्म का नमूना)

भाग लेने वाले प्रतिभागियों का नाम

क्रमांक	नाम	पिता का नाम	कक्षा
1.	....	....	....
2.	....	....	....
3.	....	....	....
4.	....	....	....
5.	....	....	....
6.	....	....	....
7.	....	....	....
8.	....	....	....

दिनांक ....

प्राचार्य के हस्ताक्षर

(मोहर सहित)

(प्रतियोगी टोली हेतु प्रवेश फॉर्म का नमूना)

Form No.1

PARTICIPANT'S DRAW SLIP

Date : ....

State : ....

National Song

Sr. No. : ....

Name of the Branch ....

Name of the Institution ....

....

....
Team Incharge

....
Convenor NGSC

(प्रतियोगी टोलियों के लिए ड्रॉ स्लिप का नमूना)

Form No.2

NATIONAL GROUP SONG COMPETITION

Bharat Vikas Parishad (Branch)

Date : .... ***Organised by : ....***

Team No.	Boys	Girls	Instru-mentalists	Total	Song No.	Song	Time
1							
2							
3							
4							
5							
6							
7							
8							
9							
10							
11							
12							
13							
14							
15							
16							
17							
18							
19							
20							
21							
22							
23							
24							
25							

Name : .... Signature : ....

(भा.वि.प. का एक कार्यकर्ता निर्णायकों के साथ रहे एवं यह शीट प्रत्यक्ष उपस्थिति के आधार पर तैयार हो। वही समय-सीमा का भी ध्यान रखे।)

Form No.3

BRANCH/STATE LEVEL NATIONAL

GROUP SONG COMPETITION - 200

Bharat Vikas Parishad ...... (Branch/State)

Date : ....   Organised by : ....

Judgement Sheet

Judge No. ......

Team No.	20 Music Composition	20 Swar	20 Tal	20 Pronoun-ciation	20 Present_ation	100 Total Obtained Marks	Remarks
1							
2							
3							
4							
5							
6							
7							
8							
9							
10							
11							
12							
13							
14							
15							

....
....
Name & Address   Signature __________
(Judge)   of Judge with Date

नोट :– इसी प्रकार प्रत्येक निर्णायक को प्रतियोगिता से पूर्व अलग-अलग अंक देने हेतु यह शीट दें।

(निर्णायक शीट का नमूना)

Form No.4

NATIONAL GROUP SONG COMPETITION

Bharat Vikas Parishad (Branch)

Date : .... ***Organised by : ....***

JUDGEMENT SHEET (Marks Received)

Team No.	Judge No. 1	Judge No.2	Judge No.3	Total Marks	Rank
1					
2					
3					
4					
5					
6					
7					
8					
9					
10					
11					
12					
13					
14					
15					
16					
17					
18					
19					
20					
21					
22					
23					

Name : .... Signature of Judges

(तीनों निर्णायकों का निर्णय सामूहिक रूप से इस शीट में भरें।)

Form No. 5

NATIONAL GROUP SONG COMPETITION

Bharat Vikas Parishad (Branch)

Date : .... ***Organised by : ....***

Rank	Team No.
First	....
Second	....
Third	....
Motivation	....

Name of Judges	**Signature of Judges**
1) ____________________	1) ____________________
2) ____________________	2) ____________________
3) ____________________	3) ____________________

(अन्तिम परिणाम इस शीट में भरकर तीनों निर्णायक हस्ताक्षर करके संयोजक/सचिव को दें।)

Form No. 6

NATIONAL GROUP SONG COMPETITION

Bharat Vikas Parishad (Branch)

Date : .... ***Organised by : ....***

Rank	Team No.	Branch/ State	Name of Institution & Lyrics of Song	No. of Participants			
				Boys	Girls	Inst.	Total
First	....	....	....				
Second	....	....	....				
Third	....	....	....				
Motiv ation	....	....	....				

Convenor
National Group Song Competition
.... (Branch/ State)

(अन्तिम परिणाम की इस शीट को संयोजक/सचिव स्वयं भरें एवं कार्यक्रम के बाद इसकी प्रतियाँ पत्रकारों को भी दें।)

(विजेता प्रतियोगी शीट का नमूना)

भारत विकास परिषद् .... शाखा
राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता सन् ....

प्रतियोगिता का विवरण

सेवा में,

प्रांतीय संयोजक
राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता
भारत विकास परिषद्, प्रांत ---------

सप्रेम नमस्कार,

हमारी शाखा द्वारा राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ, जिसका विवरण निम्नलिखित है।

प्रतियोगिता दिनाँक ------------------ स्थान ---------------------------

मुख्य अतिथि व कार्यक्रम अध्यक्ष के नाम --

पर्यवेक्षक का नाम ---

प्रतिभागी टीमों की सूची :–

शाखा स्तर पर भाग लेनेवाली टोलियों की कुल संख्या	प्रतियोगी संख्या			कुल संख्या
	छात्र	छात्राएँ	वादक	

प्रांत स्तर पर भाग लेने वाली टोली का नाम (विजेता टीम) :–

विद्यालय का नाम व पता	**दूरभाष नंबर**

दिनाँक :

हस्ताक्षर
शाखा संयोजक

(शाखा द्वारा प्रांत संयोजक को परिणाम भेजने वाले पत्र का नमूना)

भारत विकास परिषद् .... प्रांत
राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता सन् ....

प्रतियोगिता का विवरण

सेवा में,

राष्ट्रीय मंत्री
राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता,
भारत विकास परिषद्

सप्रेम नमस्कार,

हमारे प्रांत में ------------------ शाखाओं में शाखा स्तर पर राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका विवरण निम्नलिखित है :-

प्रांत में कुल शाखाएँ......कार्यक्रम आयोजित करने वाली शाखाओं की संख्या ....

शाखा स्तर पर भाग लेने वाले टोलियों की कुल संख्या	प्रतियोगी संख्या			संख्या कुल
	छात्र	छात्राएँ	वादक	

(प्रांत की सभी शाखाओं से प्राप्त हुए विवरण के आधार पर ऊपर की तालिका भरें।)

प्रांत स्तरीय कार्यक्रम दिनाँक ....को .... शाखा द्वारा सम्पन्न हुआ। जिसका विवरण निम्न है।
मुख्य अतिथि, कार्यक्रम अध्यक्ष व केन्द्रीय पर्यवेक्षक के नाम ....

प्रांत स्तरीय कार्यक्रम में आई टोलियों की कुल संख्या	प्रांत स्तरीय कार्यक्रम में भाग लेने वाली प्रतियोगी संख्या			कुल संख्या
	छात्र	छात्राएँ	वादक	

राष्ट्रीय स्तर पर भाग लेने वाली टोली का नाम :-

विद्यालय का नाम व पता	शाखा	दूरभाष नंबर

हस्ताक्षर
दिनाँक : प्रांत संयोजक

(प्रांत द्वारा राष्ट्रीय मंत्री को परिणाम भेजने वाले पत्र का नमूना)

राष्ट्रदेवो भव

राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता 200

भारत विकास परिषद्, ... शाखा (प्रांत का नाम)

दिनाँक .... 200........

शाखास्तरीय गुणवत्ता प्रशस्तिपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि -- सुपुत्र/सुपुत्री श्री -- ने अपने -- विद्यालय के दल में राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता में भाग लिया। इस प्रतियोगिता में इस दल ने -- (प्रथम/द्वितीय/तृतीय/प्रोत्साहन) पुरस्कार प्राप्त किया।

------------------------	------------------------	------------------------
शाखा अध्यक्ष	**शाखा सचिव**	**शाखा संयोजक**

राष्ट्रदेवो भव

राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता 200......

भारत विकास परिषद्, ---------------------- (प्रांत का नाम)

दिनाँक .... 200.......

प्रांतस्तरीय गुणवत्ता प्रशस्तिपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि -- सुपुत्र/सुपुत्री श्री ------------------------ ने अपने -- विद्यालय के दल में राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता में भाग लिया। इस प्रतियोगिता में ------------------------ शाखा के उपरोक्त विद्यालय ने -- (प्रथम/द्वितीय/तृतीय/प्रोत्साहन) पुरस्कार प्राप्त किया।

------------------------	------------------------	------------------------
प्रांत अध्यक्ष	**प्रांत सचिव**	**प्रांत संयोजक (रा.स.प्र.)**